# भा.कृ.अनु.प.- केंद्रीय शीतोष्ण बागवानी संस्थान, श्रीनगर

**के.डी. फार्म, पुराना हवाई अड्डा, रंगरेठ, श्रीनगर – 191132**

## संसदीय राजभाषा समिति की दूसरी उपसमिति द्वारा भा.कृ.अनु.प.- केंद्रीय शीतोष्ण बागवानी संस्थान, श्रीनगर का निरीक्षण

संसदीय राजभाषा समिति की दूसरी उपसमिति ने आज दिनांक 16 जुलाई 2021 को पूर्वाह्न 10.30 बजे संस्थान में हिंदी में किए जा रहे कार्यों की प्रगति का निरीक्षण किया। यह निरीक्षण कार्यक्रम दूसरी उप समिति की संयोजिका माननीया प्रो. रीता बहुगुणा जोशी की अध्यक्षता में की गई, जिसमें माननीय श्री सुशील कुमार गुप्ता, सांसद, श्रीमती रंजनबेन धनंजय भट, सांसद और श्री दुर्गा प्रसाद उइके, सांसद के अलावा संसदीय राजभाषा समिति की सचिव श्रीमती मंजुला सक्सेना, अवर सचिव, डॉ. रामेश्वर लाल मीना, अनुभाग अधिकारी श्री कमल स्वरूप, वरिष्ठ अनुवादक श्री किरण पाल सिंह, अनुवादक सुश्री गीता और आशुलिपिक श्री अनिल कुमार उपस्थित थे।

सर्वप्रथम डॉ. ओम चंद शर्मा, निदेशक ने समिति के माननीय सदस्यों तथा अधिकारियों का स्वागत करते हुए संस्थान के अधिदेशों और उपलब्धियों के बारे में संक्षेप में बताते हुए संस्थान और परिषद मुख्यालय की ओर से भाग लेने वाले सभी अधिकारियों का परिचय करवाया। तदुपरांत समिति की संयोजिका माननीया प्रो. रीता बहुगुणा जोशी ने संसदीय राजभाषा समिति के बारे में बताते हुए समिति के उपस्थित सभी सदस्यों का परिचय करवाया। इसके बाद समिति को प्रस्तुत प्रश्नावली पर विस्तार से चर्चा की गई तथा माननीय सदस्यों द्वारा पूछे गए प्रश्नों का निदेशक महोदय ने संतोषजनक ढंग से उत्तर दिया। समिति ने संस्थान की ओर से दिए गए जवाबों पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि संस्थान में राजभाषा हिंदी का कार्य ठीक से चल रहा है, फिर भी इसमें कई कमियाँ हैं, जिनमें सुधार की आवश्यकता है। चूँकि यह संस्थान का पहला निरीक्षण हैं, इसलिए इन कमियों को दूर करने के लिए संस्थान की ओर से जो भी आश्वासन दिए गए हैं, उन्हें हर हाल में निर्धारित समय सीमा में पूरा किया जाए।

समिति ने संस्थान द्वारा किए जा रहे अनुसंधान गतिविधियों में रुचि दिखाते हुए इनकी जानकारी ली। समिति के सदस्यों ने कहा कि शीतोष्ण बागवानी के क्षेत्र में आप सराहनीय कार्य कर रहे हैं तथा इन उपलब्धियों को किसानों तक उनकी मातृभाषा या हिंदी माध्यम से पहुँचाएँ। इस अवसर पर समिति ने संस्थान द्वारा "अखरोट में गुणवत्ता रोपण सामग्री का उत्पादन" विषय पर प्रकाशित पुस्तिका का भी विमिचन किया। निरीक्षण कार्यक्रम के अंत में डॉ. ब्रजेश कुमार पाण्डेय, सहायक महानिदेशक (बागवानी विज्ञान-) ने समिति को धन्यवाद करते हुए आश्वासन दिया कि समिति द्वारा दिए गए सुझावों का संस्थान तथा परिषद मुख्यालय द्वारा अक्षरश: पालन किया